“परिचय”

इस भजन माला का जनम हरि प्रेम और संगीत को श्रद्धांजलि देने के लिए हुआ है। उम्मीद है कि इस पुस्तक के माध्यम से कुछ पुराने भूले बिसरे भजनों की याद भक्तों के दिलों, भजन मंडलिओं और रोज़ाना की जिंदगी में दोबारा जनम लेगी। बहुत परिश्रम और कोशिश से प्रारंभिक रूप में इन भजनो को आप की सेवामें लाया गया है। आज भी हमारे संगीत संग्रह में यह सब उपस्थित है।

प्राचीन काल से हमारी संस्कृति में भजन एक अनमोल रतन है, जिस के द्वारा भक्तजन सत्य को अनुभव करते हुये भगवान को साक्षात रूप में देखते है। इस कलिकाल में जहां भय और अशान्ति से हम परिपीड़ित हैं वहाँ केवल नाम स्मरण ही एक आधार है, जिस पर आरूढ़ हो प्रभु प्रेम में मस्त हो कर हम भवजाल को काट कर प्रभु तक पहुँच सकते हैं। नाम स्मरण के बिना दूसरा कोई उपाय नही है। इस से हमारा हृदय पिघल कर प्रभु प्रेम में मग्न हो सकता है। आशा है कि हमारे एक एक श्वाँस में प्रभु का नाम और रूप झलके। नाम स्मरण किसी भी जगह, समय और परिस्थिति में हो सकता है। हमारा प्रभु के चरण में नम्र निवेदन है कि इस भजन माला के द्वारा लोक कल्याण हो।

जो भी मुझ से गलती हुई हो, मुझे नादान जान कर क्षमा प्रदान करें।

पंडित आश्रम शर्मा